VISION IAS
30 AUG 2022
RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

Name of Candidate	SURYA GODARA		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	125093
Center	JAIPUR	Date	30/08/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. **(150 words) 10**

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

पीएम अन्नदाता आय सुरक्षा अभियान के तहत किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य प्रदान करना तथा बाजार तंत्र में सुधार प्रमुख उद्देश्य है।

(*) घटक — ① APMC ढांचे का सुदृढीकरण करना (मॉडल APMC एक्ट)

② E-NAM के माध्यम से देशभर के कृषि बाजारों को संगठित करना।

③ कृषि उपज मण्डियों की अवसंरचना में सुधार तथा त्वरित भुगतान हेतु DBT प्रणाली का उपयोग।

④ कानून से उपज की खरीद हेतु सक्षम तंत्र।

VisionIAS

चुनौतियां ① बिचौलियों का जाल (कृषकों को लाभकारी मूल्य नहीं।

② आय का 30% से अधिक ऋण अनौपचारिक तंत्र से।

③ भंडारण सुविधा के अभाव के कारण उपज को शीघ्र बेचने हेतु बाध्य।

④ MSP पर खरीद में कोटा निर्धारण

⑤ खाद्य प्रसंस्करण एवं मानक निर्धारण हेतु संस्थागत तंत्र का अभाव ⑥ छोटी जोतें (87% सीमांत कृषक)

आगे की राह ① किसानों की आय दोगुना करना (अशोक दलवई समिति)

② कृषि विस्तार सेवाओं की स्थापना (शंकर लाल गुरु समिति)

③ स्वामीनाथन आयोग के अनुरूप लाभकारी मूल्य।

अतः संधारणीय कृषि हेतु सरकार एवं निजी क्षेत्र को साथ आकर संगठित प्रयासों की आवश्यकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

(150 words) 10

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

मिश्रित वित्त - वित्त की वह प्रणाली जो सार्वजनिक एवं निजी निवेश के माध्यम से वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करती है। उदा- PPP मॉडल।

* भारत में अवसंरचना विकास हेतु भूमिका

① पर्याप्त वित्त पोषण - सार्वजनिक धन की सीमित उपलब्धता, लक्षित वित्त पोषण का अभाव दूर करना।

② नवाचार एवं प्रतिस्पर्धा - निजी सहभाग के माध्यम से उद्यमिता प्रोत्साहन (स्वर्ण अंडे लोन पर देना)

③ सरकार नियामक की भूमिका में - बाजार की मिश्रित अर्थव्यवस्था की भूमिका में सरकार

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के हस्तक्षेप को न्यूनतम करना)

(4) अंतर्राष्ट्रीय मानकों का समावेशन

(5) राजकोषीय संतुलन तथा राज्यों के ऋण - GDP अनुपात को संतुलित करना

(6) दीर्घावधि विकास हेतु नीति निर्माण

(7) निजी क्षेत्र की भागीदारी (विवेक देबरॉय समिति)

अतः राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है, जो राष्ट्र निर्माण की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण है। बजट 2021-22 में निवेश के वित्तपोषण हेतु निजी निवेश की प्राथमिकता को स्वीकार किया गया है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

(150 words) 10

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में 13 बड़े तथा २०० लघु बंदरगाह है जो हमारे समुद्री निर्यात का 90% हिस्सा कवर करते है।

ड्राई पोर्ट्स के माध्यम से उत्पादों तथा माल भाड़े के परिवहन को प्रभावी बनाकर लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया जा सकता है।

* चुनौतियाँ ① कनेक्टिविटी - ओल वेदर कनेक्टिविटी का अभाव, भारत में पोर्ट्स पर लगने वाला अतिरिक्त समय।

② लाजिस्टिक्स लागत 14%, जो USA में 8-10% है।

③ वित्त की उपलब्धता (बजट में अपर्याप्त वित्त)

④ (ESZ) मानक तथा संवेदनशील क्षेत्र।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों के संरक्षण हेतु अवसंरचना का अभाव।

* अपवाद ला सकने वाले प्रभाव

(1) मानचित्र के तहत् फलोत्पादकों तथा इंडिया न्यूट्रिशन विजन-2030 को प्रभावी ढंग से लागू करना।

(2) PM गति शक्ति योजना - संगत अवसंरचना विकास

(3) लॉजिस्टिक्स दक्षता वृद्धि कार्यक्रम (LEEP) के माध्यम से लागत में कमी।

(4) कुशल मानव संसाधन निर्माण

(5) अनुसंधान एवं विकास, नौ प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ावा।

अतः आयात प्रतिस्थापन की दिशा में पोषण का विकास महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. **(150 words) 10**

एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

एकल कृषि प्रणाली का झुकाव हरित क्रांति के दौरान अपनाई गई रणनीतियों से है। गेहूं तथा चावल की अधिकता ने भारत को वर्चुअल वाटर का निर्यातक बना दिया है।

* एकल कृषि प्रणाली से खतरा

① कृषि भूमि की उत्पादकता तथा उर्वरता में गिरावट।

② गहन सिंचाई आधारित एकल कृषि से कृषि भूमि का लवणीकरण (सेम की समस्या)

③ आपदा के प्रति सुभेद्यता में वृद्धि (शीत लहर तथा ग्रीष्म लहर के कारण गेहूं की फसलों को क्षति)

④ संधारणीय कृषि प्रणाली से विमुखता)

VisionIAS

(*) अन्य खतरे

① उर्वरकों की अधिकता (पंजाब में बढ़ते कैंसर के मामले)

② भू जल स्तर में गिरावट (2007-17 के मध्य 66% गिरावट)

③ बंजर भूमि क्षेत्र में वृद्धि, मृदा अपरदन

④ जलवायु परिवर्तन, बदलता मौसम चक्र मानसूनी वर्षा की अनिश्चितता।

(*) आगे की राह (i) फसल विविधीकरण मिश्रित एवं पशुपालन कृषि को बढ़ावा।

(ii) जलगहन फसलों (चावल) से सूखा प्रतिरोधी फसलों की ओर स्थानान्तरण (मोटा अनाज)

(iii) जैविक कृषि, ZNBF, प्राकृतिक खेती)

सतत विकास लक्ष्यों तथा जलवायु परिवर्तन शमन उपायों हेतु सुधारात्मक कृषि प्रणाली वर्तमान की आवश्यकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

एकल उपयोग प्लास्टिक गैर निम्नीकरणीय होने के कारण दीर्घकाल तक वायुमंडल में बने रहते है। (प्रतिवर्ष 3.5 मिलियन टन प्लास्टिक अपशिष्ट)

* (स्वास्थ्य पर प्रभाव) ① मानव शरीर में माइक्रो प्लास्टिक का बढ़ता संकेद्रण (ICMR रिपोर्ट)

② PM 2.5, PM 10 कणों के रूप में दहन पर कार्बन तत्वों का प्रसार।

③ रोगों के प्रति सुभेद्यता

* (पर्यावरण पर प्रभाव) ① जैव विविधता का क्षय होना (प्लास्टिक कचरे से मरते पशु)

② समुद्री कचरा – ग्रेट पैसेफिक गार्बेज पैच

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ मृदा स्वास्थ्य – बंजर भूमि में वृद्धि।

④ जैव संवर्धन – पोषण शृंखलाओं में विषाक्त अणुओं का प्रवेश।

(भारत सरकार के प्रयास)

① 2022 तक सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक थैलियों की मोटाई बढ़ाना।

② आपूर्ति पक्ष नियंत्रण – SUP बनाने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध।

③ जूट पैकेजिंग को बढ़ावा।

④ विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (प्लास्टिक अपशिष्ट नियम, 2016)

⑤ सड़कों में कच्चेमाल के रूप में प्रयोग

⑥ 'से नो टू प्लास्टिक कैंपेन'

पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रकृति आधारित समाधानों को अपनाना ही वर्तमान की आवश्यकता है।

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. **(150 words) 10**

आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

आपदा मित्र परियोजना - ग्राम स्तर पर आपदा स्वयंसेवकों की सहायता से आपदा के प्रभाव को कम करने हेतु प्रबंधन की गई है। स्थानीय ज्ञान तथा प्रतिभा के उपयोग के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण पर बल दिया जा रहा है।

भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती आपदाओं के प्रति सुभेद्य है। इस कारण आपदा मित्र योजना का कार्यान्वयन -

① बॉटम अप एप्रोच के माध्यम से आपदा निवारण
② सामुदायिक सहभागिता में वृद्धि।
③ ग्राम स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक समन्वय स्थापित करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ आपदा के दौरान तथा आपदा पश्चात त्वरित अनुक्रिया ढाँचा।

⑤ पंचायती राज की ग्राम आपदा प्रबंधन योजना को बेहतर सफलता।

चुनौतियाँ

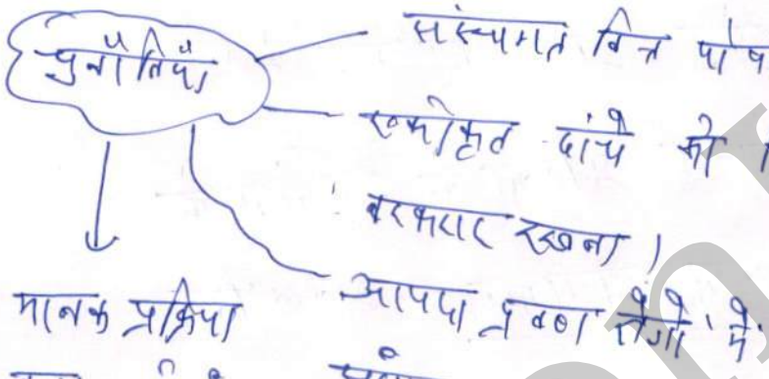

- संस्थागत वित्त पोषण का अभाव
- एकीकृत ढांचे की नियमितता को बरकरार रखना।
- आपदा प्रबंधन क्षेत्रों में अपर्याप्त संसाधन
- मानक प्रक्रिया तथा कार्य संचालन

आगे की राह ① आपदाग्रस्तियों को ग्राम पंचायतों एवं जिला मुख्यालयों से जोड़ना।

② नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण।

③ निरंतर सेवा आपूर्ति हेतु प्रयास।

आपदा प्रबंधन में नागरिकों की भागीदारी आपदा के प्रभावों को कम करने में सहायक है। (सेंडाई फ्रेमवर्क)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. (150 words) 10

विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

लोन वुल्फ अटैक से तात्पर्य किसी एकल आत्मघाती हमलावार द्वारा आतंकी घटना को अंजाम देना। उदा. अफगानिस्तान की मस्जिद में हालिया विस्फोट तथा न्यूजीलैण्ड में आतंकी घटना।

लोन वुल्फ अटैक : गंभीर चुनौती

① स्थानीय लोगों की भागीदारी - वे लोग इसमें शामिल जो संगठित आतंकी तंत्र का हिस्सा नहीं।

② इंटरनेट मीडिया तथा सम्प्रेरित अभिवृत्ति के माध्यम से एकल घटनाओं में वृद्धि।

③ निश्चित पैटर्न का अभाव, निवारक उपाय करने में कठिनाई

④ युवा आबादी की संलिप्तता। (श्रीलंका ईस्टर बम विस्फोट)

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(*) (इंटरनेट की भूमिका । हमलों में वृद्धि)

① प्रेरणा हेतु वैश्विक घटनाओं का संदर्भ (ISIS द्वारा आत्मघाती विस्फोट बनाने तथा घटनाओं अंजाम देने का वीडियो)

② सीमा पार जुड़ाव - व्यापक भौगोलिक पहुँच के कारण आतंकी गतिविधियों में आसानी

③ कट्टरता का समावेश, इंटरनेट पर बढ़ती असहिष्णुता ।

अतः इन हमलों को रोकने हेतु सोशल मीडिया रेगुलेशन महत्वपूर्ण है। इंटरनेट पर उपलब्ध आतंक फैलाने वाली सामग्री को हटाना तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु FATF की भूमिका महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. **(150 words) 10**

हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

सैन्य आधुनिकीकरण की आवश्यकता को कारगिल रिव्यू कमेटी द्वारा रेखांकित किया गया था। वर्तमान में प्रौद्योगिकी उपयोग ने नवीन सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न की हैं (साइबर अटैक)।

(*) देश में किए जा रहे रक्षा सुधार

① CDS का गठन → तीनों सेनाओं में समन्वय

② रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता – रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 तथा DRDO के माध्यम से स्वदेशी उत्पादन।

③ थल सेना – सीमांत ग्राम कार्यक्रम (सीमा क्षेत्र में अवसंरचना), AK 47 का रूस के साथ संयुक्त उत्पादन, अवसंरचना विकास हेतु पर्याप्त

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वित्तपोषण (15th FC रक्षा विकास कोष)

④ वायु सेना - LCA तेजस विमान, 36 राफेल विमानों की खरीद।

⑤ जलसेना - प्रोजेक्ट 75I के तहत पनडुब्बी निर्माण, INS अरिहंत (परमाणु शक्ति संपन्न)

⑥ औसत आयु कम करना → अग्निवीर योजना

⑦ सीमा क्षेत्र → सीमा क्षेत्र विकास योजना, सड़कों को महत्वपूर्ण अवसंरचना का दर्जा।

⑧ प्रौद्योगिकी उपयोग - ब्लॉकचेन (रक्षा सौदे), बिग डेटा (सुरक्षा खतरे), रोबोटिक्स (दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती)

अतः रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ रक्षा व्यय को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। अग्रणी मुद्दों का समाधान इस दिशा में सकारात्मक कदम है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**

हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

गुजरात के जामनगर में विश्व के प्रथम ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना की गई है। आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने तथा चिकित्सा में स्वदेशी ज्ञान के उपयोग के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

* पारम्परिक चिकित्सा के लाभ

① यह रोग निवारण हेतु परम्परागत ज्ञान पर आधारित (लद्दाख में सोवा रिग्पा)

② रोग पूर्व चरण पर केंद्रित (वन हेल्थ दृष्टिकोण के अनुकूल)

③ बढ़ते AMR (प्रतिजैविक प्रतिरोध) से मुक्ति।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) प्राकृतिक माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता (गिलोय, अश्वगंधा)

(5) अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य प्रणाली की पहुँच तथा दवाओं की लागत कम करने में सहायक।

चुनौतियां

(i) अपर्याप्त अनुसंधान एवं विकास
(ii) प्राकृतिक उत्पादों के संगठित डेटा का अभाव।
(iii) इसे वर्तमान मेडिकल प्रणाली के प्रतिरोधक के रूप में देखना
(iv) रोग निवारण की सफलता पर प्रश्नचिह्न।

अतः भारत को आयुष पद्धतियों एवं मेडिकल प्रणाली के सहयोग की आवश्यकता है। दोनों का समन्वय हमें प्रकृति के अधिक निकट तथा रोगों के निवारण में मदद करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**

नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

इफको द्वारा निर्मित नैनो यूरिया के प्रयोग से उर्वरक आवश्यकता में 30% तक कमी की जा सकती है।

(लाभ) ① दीर्घावधि तक मृदा के पोषक तत्वों की आवश्यकता पूर्ति में सहायक।

② अनियमित यूरिया के उपयोग पर नियंत्रण → आयात निर्भरता में कमी।

③ प्रदूषण से मुक्ति, मृदा उत्पादकता में सुधार

④ [illegible] के कारण कृषक लागत में कमी (1 लीटर प्रति हेक्टेयर)

⑤ पर्यावरणीय मानकों के अनुकूल।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(*) चुनौतियाँ - नैनो उत्पादों की दीर्घकालिक नकारात्मकता की चिंता

→ अभी प्रारम्भिक अवस्था में।

→ २ मानक एवं अनुसंधान विकास हेतु व्यापक प्रयासों की आवश्यकता

→ भारत में उर्वरकों की मांग आपूर्ति हेतु प्रभावी उत्पादन।

आगे की राह - ① मृदा गुणवत्ता प्रबंधन हेतु उर्वरक उपयोग को मृदा स्वास्थ्य कार्ड से जोड़ना।

② जैविक कृषि प्रणालियों को बढ़ावा।

अतः नैनो यूरिया के विकास के साथ वैदिक ब्रांड भारत विकल्पों की पूर्ति हेतु जैविक कृषि वर्तमान की आवश्यकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.

(250 words) 15

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

भारत अपने कच्चे तेल की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ईरान, UAE, रूस से आयात पर निर्भर है। कोविड-19 के दौरान भारत के कच्चे तेल उत्पादन में 2.67% गिरावट ने ऊंची कीमतों को बनाए रखने में मदद की है (नीति आयोग)।

(*) कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के कारण

1. ओपेक देशों द्वारा कीमत बढ़ाना
2. रूस यूक्रेन युद्ध, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान
3. कोविड-19 के बाद हल्की मांग में बढ़ोतरी (उद्योग एवं अर्थव्यवस्था का प्रसार)
4. स्थानीय तेल उत्पादन में गिरावट।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कच्चे तेल की कीमतों का छोटी प्रभाव

① उच्च चालू खाता घाटा – आयात बढ़ने से घाटे में वृद्धि।

② मुद्रास्फीति – तेल की कीमतों के कारण अन्य क्षेत्रों में खुदरा महंगाई (बीते 8 वर्ष में सर्वोच्च स्तर – CSO)

③ विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट – रुपये का कमजोर होना (1 USD ~ 80.2 रुपया)

④ RBI द्वारा नीतिगत दरों में वृद्धि (ऋण महंगे)

⑤ घरेलू संसाधनों पर दबाव

⑥ अप्रतिस्पर्धी निर्यात (लागत में वृद्धि के कारण भारतीय उत्पादों की मांग में कमी।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(*) अपनाए जा सकने वाले उपाय

(1) घरेलू उत्पादन बढ़ाना, नवीन तेल क्षेत्रों की खोज

(2) हरित ईंधन → हाइड्रोजन ईंधन, जैव ईंधन नीति 2018, इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा।

(3) तेल खरीद में विविधीकरण – ओपेक देशों पर निर्भरता में कमी + हालिया रूस तेल खरीद)

(4) इलेक्ट्रॉनिक वाहनों, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा।

(5) आयात पर प्रभाव को कम करने हेतु रणनीतिक तेल भंडारों की क्षमता में वृद्धि।

अतः हरित अर्थव्यवस्था की तरफ भारत के बढ़ते कदम पंचामृत लक्ष्यों तथा सतत विकास को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण हैं। फेम इंडिया, नवीनीकरण इकोनॉमी, EV आदि महत्वपूर्ण कदम हैं।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

रैंग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार रेलवे का परिचालन अनुपात 98.6% हो गया है। जिस कारण विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क (68102 km) होने के बावजूद लाभ कमाने में पीछे है।

उत्तरदायी कारण

① मालगाड़ी परिवहन की तुलना में यात्री परिवहन को वरीयता

② क्रॉस सब्सिडी के कारण घाटा।

③ मानव संसाधनों की विस्तृत श्रृंखला के कारण सुधार लागू करने में कठिनाई।

④ यात्री परिवहन का लाभदायक न होना।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ मालगाड़ी अवसंरचना कमजोर होना, माल परिवहन में सीमित योगदान।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम

① रेल विकास प्राधिकरण - रेल प्रणाली को अत्याधुनिक एवं समन्वययुक्त बनाना।

② 2024 तक 100% रेलवे विद्युतीकरण, 2030 तक नेट कार्बन तटस्थता प्राप्त करना (परिचालन लागत में कमी)

③ डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, 100 नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल

④ 400 वंदे भारत ट्रेनें, सुरक्षा हेतु कवच प्रणाली

⑤ रेल विकास योजना - 2030 तक भविष्य के रेलवे के निर्माण पर बल देना।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) विवेक देवराय समिति - निजी क्षेत्र को बढ़ावा, PPP मॉडल पर विकास।

(7) आय सृजन हेतु 'वन स्टेशन वन उत्पाद'

(8) PM गति शक्ति योजना - सात तत्वों में रेलवे महत्वपूर्ण।

आगे की राह (1) माल परिवहन को लाभदायक बनाना → किराये में बढ़ोतरी (गुणवत्ता सहित)

(2) राकेश मोहन कमेटी (रेलवे परिचालन को पृथक करना)।

(3) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को बढ़ाना।

अतः अमृत काल के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रौद्योगिकी उपयोग तथा नीतिगत सुधारों को लागू कर रेलवे को भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बनाया जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

(250 words) 15

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

भारत मे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के GVA मे 11.2% योगदान देता है। दुग्ध उत्पादन (विश्व का 23%), व्यापक खाद्यान्न उत्पादन (300 मिलियन टन), मत्स्यपालन (विश्व का 7.76%) के कारण भारत मे अपार संभावनाएँ विद्यमान है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र

1. लघु स्तर पर किसानों एवं बाजार को जोड़ना
2. नवाचार हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग
3. विकेन्द्रीकृत नेटवर्क, व्यापक प्रसार
4. वार्षिक वृद्धि दर सकारात्मक।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(*) इस क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ

① विचौलिये – चावल के मामले में 31%, फलों के मामले में 46% तक कमीशन।

② आपूर्ति श्रृंखला – फार्म गेट से प्रसंस्करण केंद्र तक पहुँच में व्यवधान (लॉजिस्टिक लागत 14%)

③ निर्यात अप्रभावी – सेनेटरी तथा फाइटोसेनेटरी प्रतिबंध।

④ अपर्याप्त अनुसंधान – कृषि बजट का केवल 0.4% खर्च।

⑤ संगठित तंत्र का अभाव – APMC मंडियों में अपर्याप्त सुधार

⑥ प्रशासनिक चुनौतियाँ (अनुमति मिलने में देरी)

⑦ FPO's का अप्रभावी संगठन।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(#) सरकार के कदम: समस्या समाधान

① PM सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण का औपचारीकरण योजना (PM-FME) → इस सेक्टर को AIMC मंडियों से एकीकृत करना।

② 10,000 FPO's का गठन (बजट 2021-22)

③ मेगा फूड पार्क स्कीम (22 मेगा फूड पार्क प्रारम्भ → निर्यात को बढ़ावा)

④ कृषि निर्यात नीति, 2018 → प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा

⑤ खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर हेतु PLI स्कीम।

अतः खाद्य प्रसंस्करण उभरता सेक्टर है। जिससे खाद्यान्न के साथ दुग्ध उत्पादों एवं फलों-सब्जियों के माध्यम से निर्यात में प्रतिस्पर्धा प्राप्त की जा सकती है। इस संदर्भ में न्यूजीलैण्ड मॉडल महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.

(250 words) 15

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार निचले 50% समुदाय का आय में हिस्सा केवल 5% है। कोविड-19 के कारण 84% भारतीय परिवारों की आय में गिरावट तथा 100 लोगों की संपत्ति में दोगुना से अधिक वृद्धि हुई है।

पंचवर्षीय योजनाओं में औद्योगिक विकास, हरित क्रांति, गरीबी हटाओ (5th FYP) 20 सूत्री कार्यक्रम (7th FYP), खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के बावजूद असमानता व्याप्त है।

1991 के आर्थिक सुधारों के उपरांत आय में वृद्धि हुई, परंतु उसी अनुपात

VisionIAS

में असमानता बढ़ी। 2008 की मंदी, 2020 की कोरोना महामारी ने अर्थव्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर किया है।

गिनी गुणांक के अनुसार भारत में अमीर वर्ग अधिक अमीर तथा गरीब अत्यधिक गरीब होता जा रहा है।

कारण ① नीतिगत – गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का अप्रभावी कार्यान्वन।

② आर्थिक – तृतीयक सेक्टर का विकास, परंतु द्वितीयक क्षेत्र में अधूरा विकास।

③ कृषि क्षेत्र का GDP में योगदान 18.8%, परंतु रोजगार निर्भरता 48% है।

④ आयात निर्भरता – कच्चा तेल, पेट्रोलियम के कारण असमानता।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) आर्थिक विकास का कुछ बड़े राज्यों तक सीमित होना (बीमारू राज्य श्रेणी)।

(6) लोकलुभावनवाद के चलते राजकोषीय प्रबंधन का अभाव।

आगे की राह

①

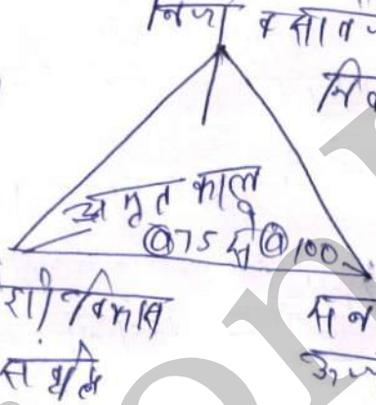

② सतत विकास लक्ष्यों का कार्यान्वयन (सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा)

③ सार्वभौमिक आधारभूत आय प्रदान करना।

अतः सतत विकास एवं संघात्मकता के माध्यम से सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास को साकार करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. **(250 words) 15**

किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

भारत में LFPR दर 46.7% है (PLFS सर्वे)
कोविड-19 के कारण कार्यबल में गिरावट आई है। रोजगार हानि तथा मशीनीकरण के कारण अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी विद्यमान है।

(A) दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति

① कुशल मानव संसाधन – रोजगार हेतु कुशल व्यक्तियों की उपलब्धता व औद्योगिक विकास की गति।

② वर्तमान समय में गिग इकाइयों – नीति आयोग के अनुसार 2030 तक यह कार्यबल 23.7 m होने की संभावना।

③ रोजगार प्रदाता की भूमिका – आत्मनिर्भरता

VisionIAS

के तहत रोजगार विकास।

(4) MSME's को बढ़ावा → 11.1 करोड़ कार्यबल के साथ दूसरा सबसे बड़ा कार्यबल।

(5) नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन।

(6) निजी क्षेत्र की भागीदारी

(*) भारत में बेरोजगारी के समाधान के उपाय

(1) अर्निंग व्हाइल लर्निंग के माध्यम से रोजगार

(2) नई शिक्षा नीति, 2020 के तहत रोजगार प्रदाता की भूमिका।

(3) नवाचार एवं उद्यमिता हेतु सहायता, व्यापक ढांचागत विकास।

(4) अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों का विविधीकरण

- द्वितीयक क्षेत्र को बढ़ावा

- कृषि क्षेत्र की प्रच्छन्न बेरोजगारी को दूर करना।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) कौशल विकास के माध्यम से मांग आधारित रोजगार सृजन

(6) संसाधन उपयोग दक्षता हेतु आयात प्रतिस्थापन।

(7) मेड इन इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत पहल का प्रभावी क्रियान्वयन।

आगे की राह (1) सामाजिक सुरक्षा उपाय

(2) निर्यात के माध्यम से रोजगार वृद्धि

(3) अमृत काल के लक्ष्यों की प्राप्ति।

अतः रोजगार युक्त संवृद्धि वर्तमान की आवश्यकता है। वोकल फॉर लोकल, पीएम रोजगार प्रोत्साहन योजना जैसे प्रयासों का प्रभावी क्रियान्वयन भविष्य की आशा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss. **(250 words) 15**

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

आपदा सुभेद्यता में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। भारत का 59.6% लोग भूकंप, 5700 km तटरेखा चक्रवात, कुल कृषि भूमि का 68% सूखे, कुल भूभाग का 12% बाढ़ तथा नदी अपरदन के प्रति सुभेद्य है। समुद्री हीट वेव, ग्लोबल वार्मिंग जैसी नई चुनौतियां हमारे समक्ष है।

सेंडाई फ्रेमवर्क (2015-30) के अनुसार आपदा जोखिम न्यूनीकरण से तात्पर्य आपदा की सुभेद्यता को कम करने हेतु संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक, क्षमता निर्माण एवं चेतावनी

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रणालियों की विस्तृत शृंखला है।

* विकास योजनाओं से एकीकरण

1. सतत् एवं संधारणीय विकास को प्रोत्साहन प्रदान करना (SDG लक्ष्य)
2. विकास → प्रभावी पर्यावरण प्रभाव आकलन
3. योजना निर्माण → भविष्य की व्यावहारिकता को देखते (दिल्ली के उदाहरण)
4. नीतिगत पहल → आपदा निवारण हेतु भवन संहिता नियम, 2016
5. असंधारणीय प्रक्रियाओं पर रोक (उत्तराखण्ड बाढ़, 2013)
6. अंतर्राष्ट्रीय प्रयास (जलवायु परिवर्तन की रोकथाम) → पाकिस्तान में भारी बाढ़ जलवायु परिवर्तन के कारण।

VisionIAS

1836

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः इस दिशा में संगठित प्रयासों तथा भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पर्यावरणीय तथा मानवीय आपदाओं के क्रमिक विकास को रोकथाम हेतु संगठित प्रयासों की आवश्यकता है सेंडाई फ्रेमवर्क, CDRF, SDG लक्ष्य इस दिशा में महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

पेरिस जलवायु समझौते के अनु० 6 के तहत कार्बन व्यापार तंत्र का प्रावधान है। भारत में नवीनकरणीय ऊर्जा दायित्व (RPO) PAT (परफार्म अचीव ट्रेड) के रूप में कार्बन व्यापार तंत्र विद्यमान है।

⊛ कुशल कार्बन व्यापार बाजार : महत्व

① जलवायु प्रतिबद्धताओं (पेरिस समझौता), NDC's तथा पंचामृत लक्ष्यों को पूरा करना।

② हरित ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहन (2030 तक 50% गैर जीवाश्म ऊर्जा)

③ 2070 तक नेट कार्बन तटस्थता प्राप्त करने में सहायक।

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

(4) भारत तथा चीन उभरते कार्बन बाजार तंत्र + क्षमता का दोहन

(5) जलवायु वित्त की आपूर्ति, UNFCCC लक्ष्यों के अनुरूप पर्यावरणीय विकास।

(*) इस तंत्र की चुनौतियाँ

(1) चीन का बढ़ता एकाधिकार (सबसे बड़ा कार्बन बाजार तंत्र)

(2) मानक एवं संस्थागत स्वरूप का अभाव
→ अपर्याप्त दोहन

(3) उद्योगों की अपर्याप्त क्षमता

(4) विद्युत उत्पादन का 70% से अधिक कोयला आधारित।

(5) नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्ति के लक्ष्यों के

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पिछड़ना (२०२२ तक १०० GW सौर ऊर्जा का लक्ष्य, परंतु मई २०२२ तक 63 GW)

(*) **आगे की राह**

① अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (जापान से प्रौद्योगिकी तथा संयुक्त उत्पादन तंत्र)

② ग्रीन वित्त को बढ़ावा (सॉवरेन/प्रतिभूति)

③ ग्रीन ऊर्जा (नेशनल स्कीमाएं, इलेक्ट्रॉनिक वाहन, जैव ईंधन)

अतः सुदृढ़ कार्बन व्यापार तंत्र हेतु राज्यों को केंद्र से समन्वय अग्रणी योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। ग्लासगो समिट COP-26 के लक्ष्यों की प्राप्ति इस दिशा में महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

UNODC के अनुसार भारत अफीम के सबसे अधिक उपभोगकर्ताओं वाला देश है। मादक पदार्थों की तस्करी हेतु आंतरिक संगठित अपराध तंत्र के उपयोग ने चिंताओं में वृद्धि की है

भारत में मादक पदार्थ तस्करी

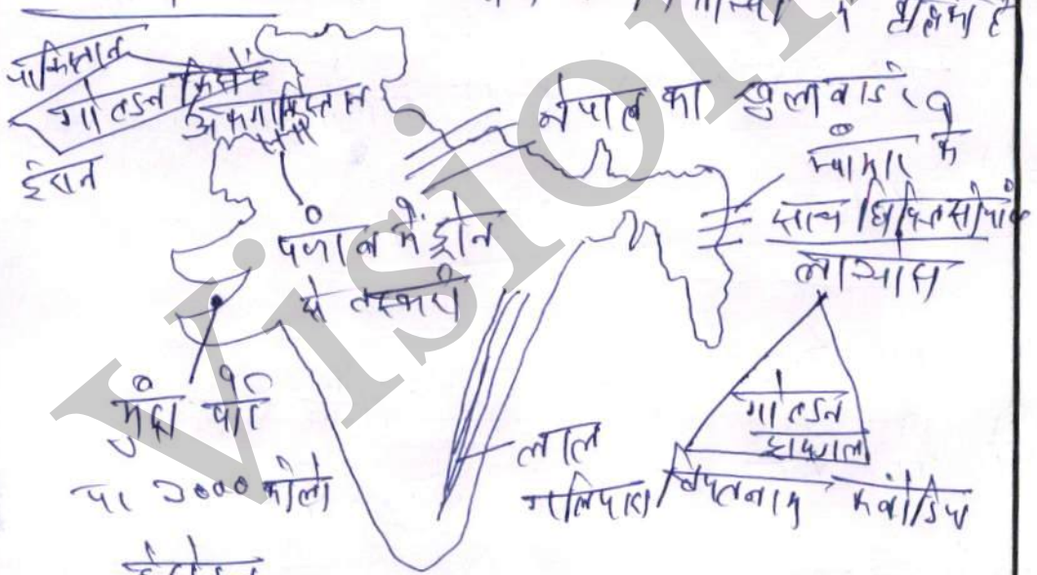

① आंतरिक तंत्र – संगठित अपराध तंत्र के कारण सीमावर्ती जिलों में ड्रग तस्करी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वही है (पंजाब, नेपाल बॉर्डर)

→ लाल गलियारे के कारण चंदन तस्करी तथा मादक पदार्थ तस्करों की सांठ गांठ।

② बाब तंग — गोल्डन क्रीसेंट तथा गोल्डन ट्राएंगल से निकटता।

④ भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां

① गैर राज्य अभिकर्ताओं द्वारा नशे के माध्यम से अपराध को बढ़ावा

② मादक पदार्थ तस्करी → नार्को आतंकवाद → प्राप्त धन का आतंकी वित्तपोषण हेतु प्रयोग।

③ मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से वित्तीय सुरक्षा हेतु चुनौती, क्रिप्टोकरेंसी के आगमन से लेनदेन में वृद्धि (74 बिलियन डॉलर, अवैध

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गतिविधियों में प्रयुक्त होने की आशंका)

(4) अवैध प्रवासियों द्वारा मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त होना

(5) युवा शक्ति का क्षय, अपराध में वृद्धि (उड़ता पंजाब मूवी)

आगे की राह (1) आंतरिक स्तर पर सख्त निगरानी एवं कानूनी ढांचा, युवाओं हेतु 'से नो टू ड्रग्स' कैंपेन।

(2) सीमा सुरक्षा के माध्यम से बाह्य चुनौतियों से निपटना (बिम्सटेक सहयोग)

अनु. 47 के तहत मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम तथा FATF की सहायता से वैश्विक प्रयासों की प्रभावशीलता की आवश्यकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

IOR क्षेत्र में समग्र सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की भूमिका तथा मलक्का दुविधा को प्रतिसंतुलित कर चीन के प्रभाव को कम करने हेतु अंडमान निकोबार द्वीप समूह महत्वपूर्ण है।

* रणनीतिक महत्व

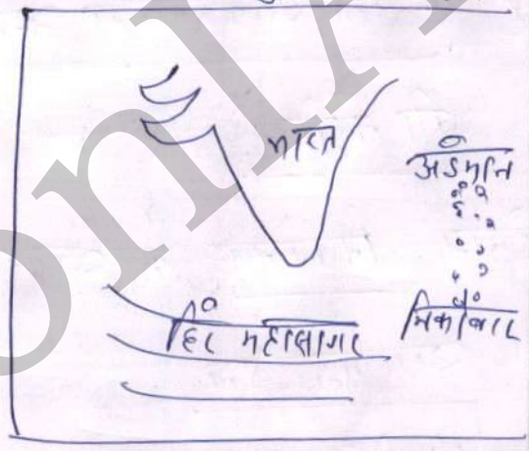

① आसियान देशों से जुड़ाव का मार्ग → हिंद प्रशांत नीति को जोड़ने में महत्वपूर्ण।

② भारत के निर्यात में हिंद महासागर का 60% से अधिक योगदान।

③ दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सक्रियता को कम करना।

(4) दल बदल जलसंधि से निकलता के कारण प्रभावी

(5) समग्र क्षेत्र में त्वरित अनुक्रिया।

(*) कुशल अकर्मण्यता तथा सौम्यउदासीनता की नीति।

• अंडमान - निकोबार के अवसंरचनात्मक विकास पर अपर्याप्त बल

→ कार्यविधि का अभाव, गुटनिरपेक्षता की नीति से बहुत प्रभावी विकास नहीं

→ चीन के साथ सम्बंधों को गति देने के प्रयास में अपर्याप्त बल।

परंतु वर्तमान में भारत की रणनीति में बदलाव हुआ है। जिससे बंगाल

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोरिया़ाई संग में अंडमान - निकोबार द्वीप की भूमिका में वृद्धि हुई है।

(1) एकीकृत त्रि-सेना कमान की स्थापना।

(2) नेवल बेस के माध्यम से प्रशांत-हिन्द सागर से निकटता।

(3) अंडमान को समग्र सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की भूमिका को तैयार करना।

अतः वर्तमान में रणनीतिक स्वायत्तता की नीति के तहत अंडमान - निकोबार के विकास पर बल दिया गया है जो भारत की बदलती सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

लद्दाख में स्थापित यह टेलीस्कोप अंतरिक्ष खोज में भारत की बढ़ती भागीदारी का सूचक है। भविष्य के अनुरूप अंतरिक्ष उपयोग के दृष्टिकोण तथा आगामी गगनयान मिशन हेतु यह महत्वपूर्ण है।

* भारत के लिए महत्व

① खगोलीय घटनाओं पर अंतरराष्ट्रीय निर्भरता में कमी।

② आकाशगंगाओं की जानकारी तथा चंद्रयान-3 मिशन के अनुरूप डेटा एकत्रण।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना हेतु प्रारम्भिक कदम।

④ दूसरे ग्रहों पर जीवन तथा जल की उपलब्धता को जानने में सहायक।

⑤ अंतरिक्ष अनुसंधान के नियो लैग की आवश्यकताओं की पूर्ति। हाल में स्थापित भारतीय अंतरिक्ष संघ।

⑥ भविष्य के मिशन (अंतरिक्ष से मलबा हटाना)।

⑦ अंतरिक्ष सुरक्षा (भारतीय उपग्रहों की निगरानी और तूफानों की जानकारी)।

⑧ मिशन शक्ति के तहत प्रथम अंतरिक्ष संबंधित रक्षा मिशनों की सफलता।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत के मंगलयान, चंद्रयान अभियानों का पर्यवेक्षण तथा आगामी सूर्य मिशन हेतु डेटा प्राप्त करना।

अतः अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दृष्टि से भारत का यह महत्वपूर्ण कदम है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र में एकाधिकार प्राप्त देशों के विरुद्ध भारत की क्षमता निर्माण में सहायक होगा।

VisionIAS